
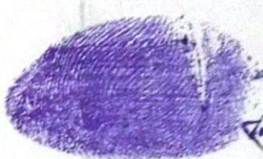
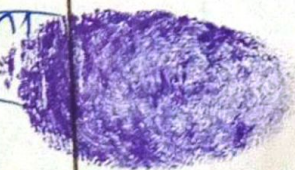
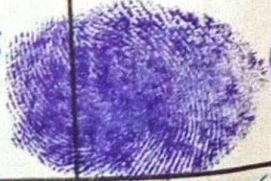


15.12.21

पंजाबली प्रशासन गणों के एक ठाण्डियात  
 केरंगपुरा में पेश हुआ । उमयपककालग  
 ने उपलिखत लेखर दलदल प्रकण में फुः  
 राजीनामा प्रस्तुत कर मांतिम निजदारे हेतु  
 निवेदन किया । वादी एवं प्रतिवादी गणों को  
 प्रस्तुत राजीनामा, बंधवारा - नख्खा इत्यादि  
 समझया गया उनके द्वारा सहमति उपरान्त  
 कद वस्तीक शामिल पंजाबली किया गया  
 हमने पंजाबली का ध्यानपूर्वक कवलोकर  
 कर कदपकत किया जाये हुआ कि वादी व  
 प्रतिवादी गण शुद्धि पर सहमत हैं तथा अपने-  
 अपने बंधवारे के अनुसार ~~दि~~ ~~उपे~~ जाने  
 पर भी सहमत हैं अतः प्रकण को वादी  
 नामे ही प्रकण ले निरंतरण किया जाता  
 उचित है उमयपककालग द्वारा प्रस्तुत  
 राजीनामे को स्वीकार किया जाता है  
 प्रस्तुत राजीनामे अनुसार उमयपकक के  
 पदु वमाशमा व वादी के नल में  
 शुद्धि चाहेगये कपको अनुसार उपे

 मिश्रपक  
 रतन लाल  
 Janki  
 निरंतरण  
 सुरज पाल  
 (वादी)  
 हंसा  
 शरोज  
 निरंतरण  
 निरंतरण  
 रतन लाल  
 निरंतरण

पार



जाने के कारण उदात्त उच्च जाति की विधवा

के उदात्त विधी जाये है

प्रायः काली काली पुत्रा (ए) न मन्त्र से  
धर्म की जाना साधित करवा है

विधवा विधा अर्थात् मज्जे श्रुति - में सुगा य  
जाया / पुत्र